ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

साहित्य विद्यापीठ

प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग

विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त

नाट्यकलाशास्त्र

बैठक की तिथि : 20/11/2021

प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग के विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक दिनांक 20/11/2021 को विभागाध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश भारती की अध्यक्षता में गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए -

डॉ. ओमप्रकाश भारती,प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक)	अध्यक्ष
प्रो. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी	बाह्य विशेषज्ञ
डॉ. सतीश पावड़े	विभागीय सदस्य
डॉ. विधु खरे दास	विभागीय सदस्य
डॉ. यशार्थ मंजुल	विशेष आमंत्रित सदस्य
डॉ. अभिषेक त्रिपाठी	पूर्व छात्र प्रतिनिधि

बाह्य विशेषज्ञ श्री. सुदिप्तो आचार्य अनुपस्थित रहे।

इस बैठक की कार्यसूची निम्नानुसार है :

मद संख्या - 1.पिछली विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि

निर्णय : अवलोकन कर पुष्टि की गई

मद संख्या - 2. पीएच.डी. नाट्यकलाशास्त्र के अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या आधारित पाठ्यक्रम की स्वीकृति

निर्णय : सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की (पाठ्यचर्या संलग्न)

मद संख्या - 3 . बी.वोक के विद्यार्थी 1. शुभम गिन्हे 2. आशीष कुमार को प्रमाणपत्र आदि प्रदान करने से संबंधित निर्णय.

निर्णय : सभी सदस्यों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमानुसार प्रमाण पत्र प्रदान करने की सहमति प्रदान की

अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय

प्रो. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
बाह्य विशेषज्ञ

श्री. सुदिप्तो आचार्य
बाह्य विशेषज्ञ

डॉ. अभिषेक त्रिपाठी
पूर्व छात्र प्रतिनिधि

डॉ. सतीश पावड़े
विभागीय सदस्य

डॉ. विधु खरे दास
विभागीय सदस्य

20.11.2021

डॉ. यशार्थ मंजुल
विशेष आमंत्रित सदस्य

20/11/2021

डॉ. ओमप्रकाश भारती
अध्यक्ष, विभागीय अध्ययन मंडल
विभागाध्यक्ष, प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

साहित्य विद्यापीठ

प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग

विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त

फिल्म अध्ययन

बैठक की तिथि : 20/11/2021

प्रदर्शनकारी कला(फिल्म अध्ययन) विभाग की विभागीय अध्ययन मंडल (Board of Studies) की ऑनलाइन बैठक दिनांक 20/11/2021 को संध्या 6 बजे गूगल मीट के माध्यम से विभागध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश भारती की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में निम्लिखित सदस्य उपस्थित हुए -

डॉ. ओमप्रकाश भारती,प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक)	अध्यक्ष
प्रो. सदानंद भोंसले ,पुणे	बाह्य विशेषज्ञ
श्री. त्रिपुरारी शरण,पूर्व निदेशक (एफ टी आई आई)	बाह्य विशेषज्ञ
डॉ. चैतन्य आठले	पूर्व छात्र प्रतिनिधि
डॉ. यशार्थ मंजुल	विभागीय सदस्य
डॉ. सुरभि विप्लव	विशेष आमंत्रित सदस्य

बैठक में निलिखित निर्णय लिए गए-

मद संख्या -1 : पिछली विभागीय अध्ययन मंडल के बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि

निर्णय – अवलोकन कर पुष्टि की गई

मद संख्या -2 : पी- एच.डी. (फिल्म अध्ययन) के अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या की स्वीकृति

निर्णय – सदस्यों से प्राप्त सुझावों को समाहित करते हुए पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार की गई (पाठ्यचर्या संलग्न)

मद संख्या -3 : अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय : डॉ. चैतन्य आठले (पूर्व छात्र प्रतिनिधि) द्वारा सुझाव दिया गया कि शोध के विषयों में सिनेमा के तकनीकि पक्ष को भी समाहित किया जाना चाहिए

निर्णय – सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की

प्रो. सदानंद भोंसले ,पुणे
बाह्य विशेषज्ञ

श्री. त्रिपुरारी शरण,पूर्व निदेशक (एफ.टी.आई.आई)
बाह्य विशेषज्ञ

21.11.2021
डॉ. यशार्थ मंजुल
विभागीय सदस्य

डॉ. चैतन्य आठले
पूर्व छात्र प्रतिनिधि

डॉ. सुरभि विप्लव 21/11/21
विशेष आमंत्रित सदस्य

डॉ. ओमप्रकाश भारती
अध्यक्ष, विभागीय अध्ययन मंडल
विभागाध्यक्ष
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग

पाठ्यक्रम का नाम : पीएच.डी. (फिल्म अध्ययन) कोर्स वर्क

Ph.D. (Film Studies) Programme

2021-22

Course Structure		
S.No	**Component**	**Credits**
1.	कोर्स वर्क	**20 Credits** **(16 + 4 Credits Optional as Interdisciplinary Subject)**
2.	Thesis writing शोध प्रबंध लेखन	80 Credits
3.	Viva Voce	20 Credits
4.	Research Associateship + Teaching Associateship	10 Credits

	Ph.D. Coursework/ Semester –I	
Code	**Course**	**Credits**
	Fundamentals of Research Methodology शोध पद्धति के मूल सिद्धांत	02 Credits
	Research and Publication Ethics (RPE) शोध और प्रकाशन नैतिकता	02 Credits
	Computer Applications कम्प्यूटर अनुप्रयोग	04 Credits
MULPF104	**Research in Performing Arts** प्रदर्शनकारी कला में शोध (Discipline Specific Research Methodology)	04 Credits
MULPF 105	Film Studies and Research (Subject Specific Paper) फिल्म अध्ययन और शोध	04 Credits
	Total Credits	16 **Credits**

पी.एच.डी कोर्सवर्क के अंतर्गत प्रश्नपत्र

- शोध पद्धति के मूल (Fundamentals of Research Methodology)

विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित

- **शोध और प्रकाशन नैतिकता (Research and Publication ethics)**

विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित

- **कंप्यूटर अनुप्रयोग (computer application)**

विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित

- **प्रदर्शनकारी कला में शोध (Research in Performing Arts)**

1. पाठ्यचर्या का नाम: प्रदर्शनकारी कला में शोध

Name of the Course : Research in Performing Arts

2.पाठ्यचर्या का कोड: MULPD104

Code of the Course : MULPD104

1. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: प्रथम

(Credit-04) (Semester- First)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य प्रदर्शन कला में शोध की स्थिति, दृष्टि तथा कला समालोचलना के विविध आयामों से परिचय कराते हुए विद्यार्थियों के शोध अभिवृति एवं ज्ञान को समृद्ध करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा -

- भारतीय कला परंपरा का अध्ययन करना
- बृहतर भारत की सांस्कृतिक परंपरा को समझना
- भारतीय शोध दृष्टि का अन्वेषन तथा स्थापना
- कला समालोचना के विविध आयामों से परिचय प्राप्त करना

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12 +8 =20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	कला के क्षेत्र में शोध को प्रोत्साहित करने वाले संस्थानों
कौशल विकास गतिविधियाँ	बृहत्तर भारत की सांस्कृतिक तथा कला परंपरा को समझ सकेगा। कला के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेगा।
कुल क्रेडिट घंटे	60

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	कला की अवधारणा , परिभाषा , स्वरुप ,वर्गीकरण – लोक एवं शास्त्रीय, कला चिंतन : पाश्चात्य एवं भारतीय, प्रमुख भाष्य एवं कला लक्षण ग्रन्थ, नाट्य प्रयोग एवं चिंतन की विविध धाराएं: भारतीय एवं पाश्चात्य, संगीत तथा नृत्य की विभिन्न पद्धतियाँ एवं धाराएं, ललित कलाओं (नाट्य , संगीत, चित्र , स्थापत्य) के अंतर्संबंध	12	04	02	18	30
अन्विति -2	भारतीय शोध दृष्टि तथा प्रदर्शन कला के क्षेत्र में शोध की स्थिति	08	02	02	12	20
अन्विति -3	अंतर अनुशासनिक शोध- प्रदर्शन कला एवं सिनेमा/ साहित्य/ इतिहास / मनोविज्ञान एवं अन्य विषय	08	02	02	12	20
अन्विति -4	दक्षिण तथा दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में भारतीय कला का विकास तथा शोध की स्थिति	12	04	02	18	30
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	X	X	X		-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. स्वतंत्र कलाशास्त्र - के. सी. पाण्डेय, चौखम्भा प्रकाशन ,वाराणसी 2. कला- हंस कुमार तिवारी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद , पटना 3. कला विवेचन- कुमार विमल , भारती भवन,पटना 4 .कला और संस्कृति- वसुदेव शरण अग्रवाल, लोक भारती प्रकाशन , प्रयागराज 5 काव्य और कला तथा अन्य निबंध- जयशंकर प्रसाद, भारती –भंडार , इलाहाबाद , पञ्चम संस्करण,1958 6. 'हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन एण्ड इंडोनेशियन आर्ट- आनंद कुमारस्वामी 7. पाश्चात्य कला – ममता चतुर्वेदी , राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादेमी , जयपुर 8. कलाशास्त्र की रूपरेखा - ओम प्रकाश भारती, मानक प्रकाशन ,दिल्ली 9. Deep focus- Reflection On Cinema, Satyajit Ray Penguin India
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. कोठारी,कोमल- साहित्य, संगीत और कला , जयपुर ,1960 2. प्राचीन भारतीय स्तूप, गुहा एवं मंदिर, वासुदेव उपाध्याय, - बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादेमी 3. भारत शिल्प के षडंग - ठाकुर, अवनीन्द्रनाथ (अनुवादक, महादेव साहा, इलाहाबाद, 1958) 4.कुमार विमल,सौंदर्य शास्त्र के तत्व, राजकमल प्रकाशन 1968 5. कला-चित्रकला – विनोद भारव्दाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर 6. भारतीय सौंदर्य सिद्धांत की नयी परिभाषा, सुरेन्द्र एस. बरलिंगे, भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली

		7. कला, साहित्य और संस्कृति- ई.एम.एस. नम्बूदरीपाद 8. भारतीय रंगमंच की विविध धाराएँ – भारती, ओमप्रकाश 9. नाट्य प्रसंग – पावडे , सतीश
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित नाट्यशास्त्र विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि Natyapediya
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

विभागाध्यक्ष

➢ **फिल्म अध्ययन एवं शोध (Film studies and Research)**

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	----
कौशल विकास गतिविधियाँ	फिल्म के तकनीकि की जानकारी
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. **पाठ्यचर्याका नाम:** फिल्म अध्ययन और शोध
Name of the Course: Film studies and Research
2. **पाठ्यचर्या का कोड: MULPF 105**
Code of the Course : MULPF 105
3. **क्रेडिट: 4**
(Credit)
4. **सेमेस्टर: ~~प्रथम~~** c4th
(Semester)

5. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :** प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य फिल्म अध्ययन से जुड़े विविध पक्षों की विस्तृत जानकारी देने के साथ ,फिल्म आस्वादन एवं फिल्म निर्माण की तकनीकी शब्दावली की जानकारी दी जाएगी . पूर्व में फिल्म अध्ययन से जुड़े महत्वपूर्ण अंतर अनुशासनिक शोध की जानकारी देना . फिल्म शोध की क्रियाविधि पर चर्चा

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :- पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- फिल्म शोध की क्रियाविधि
- आकड़े संग्रहित करने हेतु महत्वपूर्ण संस्थाओं की जानकारी
- फिल्म अध्ययन से जुडो शोध के लिए महत्वपूर्ण साहित्य से परिचय

- फिल्म आस्वादन से परिचय

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(**Contents** of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति 1	फिल्म आस्वादन -सिनेमा का विभिन्न कलाओं से संबंध -साहित्य और सिनेमा	**10**	**5**		**15**	25
अन्विति 2	-फिल्म शोध की क्रियाविधि फिल्मों को केंद्र में रखते हुए शोध क्रियाविधि के निम्लिखित पहलुओं की जानकारी -शोध समस्या चुनने का आधार - शोध उद्देश्य एवं परिकल्पना - शोध के प्रकार - साहित्य पुनर्वालोकन - आकड़ें संग्रहण एवं प्राथमिक स्रोत -निष्कर्ष	20	**5**		30	50
अन्विति 3	फिल्म समालोचना एवं सिनेमा की विविध धाराएं	5	3		8	10
अन्विति 4	फिल्म अध्ययन और शोध से जुड़ी महत्वपूर्ण भारतीय संस्थाएं -राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार -राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम	5	2		7	15
योग		**40**	**20**		**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X			-		-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिती	सेमिनार	सत्रीय पत्र	
निर्धारित अंक	5	5	7	8	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

**विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत			

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	➢ Seeing is believing,Chidanand Das Gupta, Penguin, 2008 ➢ The Light of Asia, Suresh Chabaria,NFAI,Niyogi Books,2013 ➢ How to Read a film,James Monnaco,oxford,1988 ➢ Film studies,warren buckland ➢ Film Histories an Introduction and reader, Paul

		Grainge, Mark Jancovich,Sharon Monteith,Edinburgh University Press, 2007 ➢ Bhartiya cinema ka itihaas,Manmohan Chaddha,1998
2	संदर्भ-ग्रंथ	➢ Deep Focus-Reflections on Cinema,Satyajit Ray,Society for the preservation of Satyajit Ray. ➢ Indian Cinema a very short introduction, Ashish Rajdhyaksha,penguin,2018 ➢ Making meaning in Indian Cinema,Ravi S vasudevan,2010,oxford ➢ City flicks:Indian Cinema and the urban experience,Preben kaarsholm,Seagull,2006 ➢ Philosophical issue in Indian Cinema,MK Raghvendra,Routledge,2020
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

(विभागाध्यक्ष)

(संकायाध्यक्ष)

प्रदर्शनकारी कला विभाग (फिल्म अध्ययन) के अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त

बैठक तिथि 30.05.2021

प्रदर्शनकारी कला विभाग (फिल्म अध्ययन) के अध्ययन मंडल(Board of Studies) की बैठक प्रो. अवधेश कुमार की अध्यक्षता में दिनांक 30.05.2021 को पूर्वाह्न 11.20 पर गूगल हैंगआउट मीट (Google Hangout Meet) पर आयोजित की गयी। बैठक में निंलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. प्रो. अवधेश कुमार : अध्यक्ष
2. प्रो. सदानंद भोंसले : बाह्य विशेषज्ञ
3. श्री त्रिपुरारी शरण : बाह्य विशेषज्ञ
4. डॉ. ओमप्रकाश भारती : सदस्य
5. डॉ. यशार्थ मंजुल : सदस्य
6. डॉ. सुरभि विप्लव : विशेष आमंत्रित सदस्य
7. श्री चैतन्य आठले : भूतपूर्व विद्यार्थी सदस्य

बैठक में निम्नलिखित विषयों पर अवलोकन कर पुष्टि प्रदान की गयी:-

मद सं – 01-नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसरण में फिल्म अध्ययन के पाठ्यक्रम का संचालन एवं दिशा निर्देशों के अनुरूप क्रियान्वयन करना।

निर्णय -सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की एवं इस संबंध में एक पाठ्यक्रम निर्माण समिति के गठन करने का प्रस्ताव भी दिया

मद सं – 02- प्रदर्शनकारी कला विभाग(फिल्म अध्ययन पाठ्यक्रम) के द्वितीय प्रश्न पत्र के स्वरूप पर पुनर्विचार (पाठ्यक्रम संलग्न)

निर्णय – बाह्य विशेषज्ञ श्री त्रिपुरारी शरण द्वारा निम्नलिखित फ़िल्मकारों एवं उनकी फिल्मों को द्वितीय प्रश्न पत्र के यूनिट 4 में सम्मिलित करने का प्रस्ताव दिया

जापान

अकीरा कुरोसावा

यासुजीरों ओज़ू

नाओमि कवास

ईरान

अब्बास किओरोस्तामी

माजिद मजीदी

असघर फरहादी

जफर पनाही

साउथ कोरिया

बोंग जून-हो

पार्क चेन वुक

मूल पाठ्यक्रम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	9+6= 15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	----
कौशल विकास गतिविधियाँ	विश्व सिनेमा की क्रमवर जानकारी
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. **पाठ्यचर्याका नाम:** विश्व सिनेमा का इतिहास

(Name of the Course)

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** MFS 202

(Code of the Course)

3. **क्रेडिट: 4**

4. **सेमेस्टर: द्वितीय**

(Credit) **(Semester)**

5. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) :** प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य फिल्म निर्माण से जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्ष के बारे में जानकारी देना होगा

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :- पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- सिनेमाई कला के आरंभ की जानकारी
- वैश्विक परिदृश्य में सिनेमा का विकास
- भारतीय सिनेमा और वैश्विक सिनेमा के बीच तुलनात्मक अध्ययन
- सिनेमाई भाषा का क्रमवर विकास
- सिनेमा के विभिन्न मतों की जानकारी

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	- सिनेमा के आगमन से पहले -मूक सिनेमा	10	5		15	25
अन्विति -2	पश्चिम में सिनेमाई कला का विकास	10	5		15	25
अन्विति -3	बोलती फिल्में एवं वर्तमान परिदृश्य	10	5		15	25
अन्विति -4	एशिया और वैश्विक सिनेमा में अंतरसंबंध	10	5		15	25
योग		40	20		60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि तथा सँवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X			-		-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिती	सेमिनार	सत्रीय पत्र	
निर्धारित अंक	5	5	7	8	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत			

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	The art of Moving pictures,Lidsay Wachael,Livraait Publication,New York 1970
2	संदर्भ-ग्रंथ	Films as Films,V.F.Paris,penguin Publication 1972 Indian Cinema,Ravi S Vasudevan(ed),Oxford University Press,New Delhi,2000
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

मद सं 03- प्रदर्शनकारी कला विभाग (फिल्म अध्ययन) के सहायक प्रोफेसर डॉ. यशार्थ मंजुल एवं डॉ. सुरभि विप्लव को शोध निर्देशक बनाए जाने पर विचार (नोटिफिकेशन एवं रिसर्च पेपर संलग्न)

निर्णय – सभी सदस्यों में सहायक प्रोफेसर डॉ. यशार्थ मंजुल एवं डॉ. सुरभि विप्लव को शोध निर्देशक बनाए जाने पर सहमति प्रदान की।

अध्ययन मंडल की बैठक में सभी सदस्य ऑनलाइन सम्मिलित हुए एवं सभी सदस्यों द्वारा उपर्युक्त निर्णय पर सहमति प्रदान की गई। बैठक अध्यक्ष के द्वारा धन्यवाद के साथ सम्पन्न हुई।

प्रो. सदानंद भोंसले **(बाह्य विशेषज्ञ)**	**श्री त्रिपुरारी शरण** **(बाह्य विशेषज्ञ)**	**श्री चैतन्य आठले** **(भूतपूर्व विद्यार्थी सदस्य)**
डॉ. ओमप्रकाश भारती **(सदस्य)**	30/5/2021 **डॉ. यशार्थ मंजुल** **(सदस्य)**	30/5/21 **डॉ. सुरभि विप्लव** **(विशेष आमंत्रित सदस्य)**

30/5/2021
प्रो. अवधेश कुमार
(अध्यक्ष)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री
प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं थियेटर)

प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं थियेटर) के अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त

बैठक तिथि 26.05.2021

प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं थियेटर) के विभागीय अध्ययन मंडल (Board of Studies) की बैठक प्रो.अवधेश कुमार के अध्यक्षता में दिनांक 26.05.2021 को शाम 07:00 बजे गूगल हैंग आउट मीट पर(Google Hangout Meet) आयोजित की गयी। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. प्रो. अवधेश कुमार : अध्यक्ष
2. प्रो. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी : बाह्य विशेषज्ञ
3. श्री सुदिप्तो आचार्य : बाह्य विशेषज्ञ
4. डॉ. ओम प्रकाश भारती : सदस्य
5. डॉ. सतीश पावड़े : सदस्य
6. डॉ. विधु खरे दास : विशेष आमंत्रित सदस्य
7. डॉ. यशार्थ मंजुल : विशेष आमंत्रित सदस्य
8. डॉ.अभिषेक त्रिपाठी : भूतपूर्व विद्यार्थी सदस्य

बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

मद सं. 01 - प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं थियेटर) के अध्ययन मंडल की पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि।

अवलोकन कर पुष्टि की गयी।

मद संख्या -2- पीएच . डी. शोधार्थी सुनीता थापा के विपंजीकरण आवेदन पर विचार

निर्णय : सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की।

मद संख्या -3- पीएच . डी. शोधार्थी अशोक यादव के विपंजीकरण आवेदन पर विचार

निर्णय : सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की।

मद संख्या -4- नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसरण में प्रदर्शनकारी कला विभाग (नाट्य कला एवं फिल्म अध्ययन) द्वारा पाठ्यक्रमों (कोर्सों) का संचालन एवं दिशा निर्देशों के अनुरूप क्रियान्वयन करना।

निर्णय : सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की।

26/5/21

मद संख्या – 5 – विभागीय शोध मॉनिटरिंग समिति की बैठक की गई, सूचनार्थ प्रस्तुत।

निर्णय : सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की।

अध्ययन मंडल की बैठक में सभी सदस्य ऑन लाइन सम्मिलित हुए एवं सभी सदस्यों द्वारा उपर्युक्त निर्णय पर सहमति प्रदान की गयी। बैठक अध्यक्ष के द्वारा धन्यवाद के साथ सम्पन्न हुई।

प्रो. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी **(बाह्य विशेषज्ञ)**	**श्री सुदिप्तो आचार्य** **(बाह्य विशेषज्ञ)**	**डॉ. ओम प्रकाश भारती** **(सदस्य)**
डॉ. सतीश पावड़े **(सदस्य)**	**डॉ. विधु खरे दास** **(सदस्य)**	**श्री यशार्थ मंजुल** **(सदस्य)**
डॉ.अभिषेक त्रिपाठी **(भूतपूर्व विद्यार्थी)**		**प्रो. अवधेश कुमार** 26/5/2021 **(अध्यक्ष)**

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं थियेटर)

साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं थियेटर)
विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त

बैठक की तिथि 16.03.2021

प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं थियेटर) के विभागीय अध्ययन मंडल (Board of Studies) की बैठक प्रो.अवधेश कुमार के अध्यक्षता में दिनांक 16.03.2021 को अपराह्न 04:00 बजे गूगल हैंग आउट मीट पर(Google Hangout Meet) आयोजित की गयी। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. प्रो. अवधेश कुमार : अध्यक्ष
2. प्रो. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी : बाह्य विशेषज्ञ
3. श्री सुदिप्तो आचार्य : बाह्य विशेषज्ञ
4. डॉ. ओम प्रकाश भारती : सदस्य
5. डॉ. सतीश पावड़े : सदस्य
6. डॉ. विधु खरे दास : विशेष आमंत्रित सदस्य
7. श्री यशार्थ मंजुल : विशेष आमंत्रित सदस्य
8. डॉ.अभिषेक त्रिपाठी : भूतपूर्व विद्यार्थी सदस्य

बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

मद सं. 01 - प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं थियेटर) के अध्ययन मंडल की पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि।
अवलोकन कर पुष्टि की गयी।

मद संख्या 02 . पीएच .डी .शोधार्थियों के शोध विषय तथा शोध निर्देशक का निर्धारण

दिनांक :16/ 03/2020 को04 : बजे शाम 00संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष प्रोअवधेश कुमार की . अध्यक्षता में ऑन लाइन बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें शोधार्थी विक्रम कुमार सिंह, शोध विषय ''बिहार की पृष्ठभूमि पर निर्मित हिन्दी फिल्मों का अध्ययन विशेष संदर्भ प्रकाश झा :'' तथा शोधार्थी बृजेश कुमार यादव, शोध विषय ''शिक्षण माध्यम के रूप में

रंगमंच : विशेष संदर्भ CCRT और अन्य संस्थाएं'' के शोध निर्देशन के लिए डॉ ओमप्रकाश भारती .(उनके निर्देशन में स्थान रिक्त होने के कारण) को दिया गया।

उसका विवरण निम्नवत है।

क्र.सं.	शोधार्थी	प्रस्तावित शोध विषय	शोध निर्देशक
1.	विक्रम कुमार सिंह	''बिहार की पृष्ठभूमि पर निर्मित हिन्दी फिल्मों का अध्ययन : विशेष संदर्भ प्रकाश झा''	डॉ. ओमप्रकाश भारती
2.	बृजेश कुमार यादव	''शिक्षण माध्यम के रूप में रंगमंच : विशेष संदर्भ CCRT और अन्य संस्थाएं''	डॉ. ओमप्रकाश भारती

निर्णय : सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की।

मद सं.03. अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय

पूर्व में हुई दिनांक 30/10/2020 की बैठक में **LOCF** पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर सैद्धातिक सहमति/स्वीकृति प्राप्त की गई थी। पाठ्यक्रम पूरी तरह तैयार करके अध्ययन मंडल के बाह्य विशेषज्ञों/सदस्यों को भेज दिया गया है।

निर्णय : सभी सदस्यों ने LOCF **पाठ्यक्रम पर सहमति प्रदान की।**

अध्ययन मंडल की बैठक में सभी सदस्य ऑन लाइन सम्मिलित हुए एवं सभी सदस्यों द्वारा उपर्युक्त निर्णय पर सहमति प्रदान की गयी। बैठक अध्यक्ष के द्वारा धन्यवाद के साथ सम्पन्न हुई।

प्रो. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
(बाह्य विशेषज्ञ)

श्री सुदिप्तो आचार्य
(बाह्य विशेषज्ञ)

डॉ. ओम प्रकाश भारती
(सदस्य)

डॉ. सतीश पावड़े
(सदस्य)

डॉ. विधु खरे दास
(सदस्य)

श्री यशार्थ मंजुल
(सदस्य)

डॉ.अभिषेक त्रिपाठी
(भूतपूर्व विद्यार्थी)

प्रो. अवधेश कुमार
(अध्यक्ष)

साहित्य विद्यापीठ के अंतगर्त संचालित प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं थियेटर)
विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त

बैठक की तिथि 30.10.2020

प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं थियेटर) के विभागीय अध्ययन मंडल (Board of Studies) की बैठक प्रो.अवधेश कुमार के अध्यक्षता में दिनांक 30.10. 2020 को अपराह्न 04:30 बजे गूगल हैंग आउट मीट पर(Google Hangout Meet) आयोजित की गयी। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. प्रो. अवधेश कुमार : अध्यक्ष
2. प्रो. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी : बाह्य विशेषज्ञ
3. श्री सुदिप्तो आचार्य : बाह्य विशेषज्ञ
4. डॉ. ओम प्रकाश भारती : सदस्य
5. डॉ. सतीश पावड़े : सदस्य
6. डॉ. विधु खरे दास : विशेष आमंत्रित सदस्य
7. श्री यशार्थ मंजुल : विशेष आमंत्रित सदस्य
8. डॉ.अभिषेक त्रिपाठी : भूतपूर्व विद्यार्थी सदस्य

बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

मद सं. 01 - प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं थियेटर) के अध्ययन मंडल की पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि।
अवलोकन कर पुष्टि की गयी।

मद सं.02- अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम सरंचना(Learning Outcome based Curriculum Framework LOCF)

दिनांक 20/04 /2020 को आयोजित विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक में प्रदर्शनकारी कला विभाग द्वारा एम.ए(नाट्यकला शास्त्र) तथा एम.ए (फिल्म अध्ययन) दो स्वतंत्र पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुशंसा की गयी। साथ

ही एम.ए(नाट्यकलाशास्त्र) तथा एम.ए (फिल्म अध्ययन) के पाठ्यक्रम की रूप- रेखा भी स्वीकृति की अनुशंसा की गयी।

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम सरंचना के संबंध में विभागीय शिक्षकों ने विचार-विमर्श के उपरांत एम.ए (नाट्यकलाशास्त्र) तथा एम.ए (फिल्म अध्ययन) के पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की, जो निम्नलिखित है-

(अ) एम.ए (नाट्यकलाशास्त्र)

सेमेस्टर	मूल			योग	ऐच्छिक			योग	
	क्र.	प्रश्न पत्र का नाम	क्रेडिट		क्र.	प्रश्न पत्र का नाम	क्रेडिट	योग	
पहला	1.	कलाशास्त्र	04	16	1.	नाट्यकला तथा उसके विविध आयाम	02	06	मूल 16+ ऐच्छिक 06 =22
	2.	नाट्यशास्त्र एवं आद्य रंगमंच	04		2.	भारतीय कलाएं	04		
	3.	प्राचीन ग्रीक एवं रोमन नाट्य	04						
	4.	अभिनय सिद्धान्त एवं प्रयोग (नाट्यशास्त्र एवं यूनानी रंगमंच के विशेष संदर्भ में) व्यावहारिक- 02 सैद्धांतिकी - 02	04						
दूसरा	1.	संस्कृत नाटक और रंगमंच	04	16	1.	शिक्षा में रंगमंच	04	06	मूल 16+ ऐच्छिक 06 =22
	2.	पारंपरिक एवं लोकनाट्य	04		2.	कला / नाट्य पत्रकारिता	02		
	3.	एशियाई पारंपरिक नाट्य (चयनित नाट्य)	04						
	4.	अभिनय सिद्धांत एवं प्रयोग (संस्कृत लोक, तथा चयनित एशियाई नाट्य रूप) व्यावहारिक- 02 सैद्धांतिकी –02	04						
तीसरा	1.	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	04	16	1.	कला नीति , संरक्षण एवं प्रबंधन	04	08	मूल 16+ ऐच्छिक 08 =24
	2.	पाश्चात्य रंगमंच (आधुनिक यूरोप के प्रमुख नाटककार एवं नाट्य सिद्धांत सहित)	04		2.	रंगमंच और समाज कार्य	04		
	3.	नाट्य लेखन एवं समालोचना (भारतीय एवं पाश्चात्य)	04						
	4.	नाट्य विन्यास एवं प्रस्तुति प्रक्रिया व्यावहारिक- 02 सैद्धांतिकी –02	04						

चौथा	1.	समकालीन रंगमंच की विविध धाराएं (भारतीय एवं पाश्चात्य)	04	16	1.	लोकनाट्य	04	06	मूल 16+ ऐच्छिक 06=22
	2.	भारतीय भाषाओं का रंगमंच (मराठी, बाड़्ला, कन्नड, मलयालम, असमिया, माणिपुरी,का संक्षिप्त परिचय या किसी एक का विशिष्ट अध्ययन	04		2.	भारतीय डायस्पोरा देशों के कलारूपों का परिचयात्मक अध्ययन	02		
	3.	कला नीति, संरक्षण एवं प्रबंधन	04						
	4.	लघु शोध	04						
कुल क्रेडिट				64				26	90

(ब) एम.ए (फिल्म अध्ययन)

सेमेस्टर	मूल			योग	ऐच्छिक				योग
	क्र.	प्रश्न पत्र का नाम	क्रेडिट		क्र.	प्रश्न पत्र का नाम	क्रेडिट	योग	
पहला	1.	सिनेमा का सिद्धांत	04	16	1.	प्रयोगवादी सिनेमा	04	08	मूल 16+ ऐच्छिक 08 =24
	2.	भारतीय सिनेमा का इतिहास	04		2.	फिल्म आस्वादन	04		
	3.	भारतीय सिनेमा का कलात्मक दर्शन	04						
	4.	सिनेमाई भाषा एवं तकनीक	04						
दूसरा	1.	प्रमाणिक सिनेमा	04	16	1.	1.रूपांतरण(adaptation)	04	06	मूल 16+ ऐच्छिक 06 =22
	2.	विश्व सिनेमा का इतिहास	04		2.	विडियो संपादन	02		
	3.	पटकथा लेखन(सैद्धांतिकी)	04						
	4.	इनमे से कोई एक 1.निर्देशन का परिचय 2.संपादन का परिचय 3.छायांकन का परिचय 4.ध्वनि रचना का परिचय	04						
तीसरा	1.	प्रमुख फिल्मकार	04	16	1.	सिनेमा में संगीत	04	06	मूल

		(क) भारत के संबंध में (ख) विश्व के सम्बन्ध में							16+ ऐच्छिक 06 =22
	2.	हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओँ का सिनेमा	04		2.	कला लक्षण ग्रंथ - दशरूपक विधान नाट्यमंजरी सौरभम के सन्दर्भ में	02		
	3.	पटकथा लेखन(व्यवहारिक)	04						
	4.	इनमे से कोई एक 1.विस्तृत निर्देशन 2.विस्तृत छायांकन 3.विस्तृत संपादन 4.विस्तृत ध्वनी रचना	04						
चौथा	1.	दृश्यांकन(mise-en-scene)	04	16	1.	समसामयिक सिनेमा के विविध प्रकार	04	02	मूल 18+ ऐच्छिक 04 =22
	2.	लघु शोध प्रबंध	04						
	3.	डिग्री फिल्म	06						
	4.	1.डिजिटल मार्केटिंग एवं फिल्म पिचिंग (digital marketing and film pitching)	04						
कुल क्रेडिट				64				26	90

द्वितीय छमाही के लिए जरूरी बिंदु

- इस छमाही में छात्रों को उनके डोमेन के अनुसार बाटा जायेगा .
- हर समूह 4 छात्रों का होगा .
- इस छमाही में प्रत्येक गुट को १० मिनट की डायलाग फिल्म का निर्माण करना अनिवार्य है

तृतीय छमाही के लिए जरूरी बिंदु

- इस छमाही में छात्रों को उनके डोमेन के अनुसार समूह में बाटा जाएगा . यही समूह अगली छमाही के लिए भी होगा .
- प्रत्येक गुट को विश्वविद्यालय में परिसर में ही १५ मिनट का एक वृत्तचित्र निर्मित करना होगा .
- प्रत्येक छात्र को २० मिनट की पटकथा लिखनी होगी . इसी पटकथा का उपयोग अगली छमाही की डिग्री फिल्म के लिए होगा .

चतुर्थ छमाही के लिए जरूरी बिंदु

- इस छमाही में प्रत्येक छात्र को एक वृत्तचित्र प्रोडक्शन के लिए रिसर्च प्रपोजल तैयार करना है. .
- इस छमाही में प्रत्येक समूह को एक २० मिनट की फिक्शन फिल्म का निर्माण करना है .

निर्णय : पाठ्यक्रमों की संरचना का अवलोकन करते हुए निम्नलिखित सुझाव दिये गए-

नाट्यकलाशास्त्र (एम. ए.)

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण तैयार करते समय प्रथम सेमेस्टर के द्वितीय पत्र - नाट्यशास्त्र एवं आद्य रंगमंच के अंतर्गत नाट्यशास्त्र के साथ अन्य लक्षण ग्रंथों तथा नाट्य सिद्धांतों को तथा प्रथम सेमेस्टर के प्रथम पत्र – नाट्यकला के विविध आयाम के अंतर्गत फिल्म एप्रिशिएशन /फिल्म एवं नाट्यकला के अंत: संबंध जैसे विषय को जोड़ा जाना चाहिए।

फिल्म अध्ययन (एम. ए.)

- पाठ्यक्रम में हिन्दी सिनेमा का एक स्वतंत्र पत्र जोड़ा जाना चाहिए।
- को हिन्दी में प्रामाणिक सिनेमा कहा जाना चाहिए।
- पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण तैयार करते समय किसी भी पत्र के साथ फिल्म एवं नाट्यकला के अंत: संबंध तथा सिनेमा का दर्शन/सिनेमा और समाज /सिनेमा का प्रयोजन/कला सौंदर्य जैसे विषय को जोड़ा जाना चाहिए।
- प्रस्तावित पाठ्यक्रम के अंग्रेजी शब्दों का हिन्दी रूपांतरण किया जाना चाहिए।

अध्ययन मंडल द्वारा सर्व सम्मति से उपर्युक्त सुझावों को स्वीकार कर पाठ्यचर्या संरचना को अनुमोदित किया गया।

मद सं. 03. बी.वोक.(अभिनय एवं मंच विन्यास) सत्र 2017-18 द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष की पाठ्यचर्या तथा बी.वोक.(फिल्म निर्माण) सत्र 2017-18 द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष की पाठ्यचर्या में आंशिक संशोधन।

बी.वोक. (अभिनय एवं मंच विन्यास)
सत्र 2017-18, द्वितीय वर्ष

<u>तृतीय छमाही</u>

प्रश्नपत्र – 1. अभिनय कला (6 क्रेडिट)

- विभिन्न अभिनय परक लोकनृत्य रूपों का अध्ययन और अभ्यास
- विभिन्न शास्त्रीय चारित्रों तथा गतियों का अभ्यास
- नृत्य संरचना की अवधारणा तथा अभ्यास

प्रश्नपत्र – 2. वस्त्र विन्यास (4 क्रेडिट)

- पात्रों का विश्लेषण तथा वस्त्रविन्यास का निर्धारण
- वस्त्रों की बुनावट, रंग, रेखांकन, रंगों का मनोविज्ञान
- वस्त्र विन्यास में कटाई, सिलाई का अभ्यास

प्रश्नपत्र – 3. प्रकाश परिकल्पना और विन्यास (6 क्रेडिट)

- प्रकाश विन्यास की अवधारणा
- प्रकाश संयोजन तथा टेक्स्ट का विश्लेषण
- प्रकाश के प्रमुख उपकरण
- प्रकाश के सिद्धांत,पात्रों की वेशभूषा, मंचविन्यास, नाटक की भावभूमि आदि के संदर्भ में प्रकाश परिकल्पना

प्रश्नपत्र – 4. प्रस्तुति प्रक्रिया (6 क्रेडिट)

प्रश्नपत्र – 5. हिंदी भाषा एवं साहित्य (4 क्रेडिट)

- बोली और भाषा में अंतर एवं संबंध
- राजभाषा और राष्ट्रभाषा का स्वरूप और परिचय
- हिंदी साहित्य: रीतिकाल तथा आधुनिक कालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (छायावाद युग तक)
- हिंदी साहित्य की आधुनिक गद्यविधाओं का संक्षिप्त परिचय

प्रश्नपत्र – 6. नाट्य प्रस्तुति (4 क्रेडिट)

(क्रेडिट समायोजन – द्वितीय प्रश्नपत्र वस्त्र विन्यास 06 क्रेडिट के स्थान पर 04 क्रेडिट का तथा पचंम प्रश्नपत्र में 02 क्रेडिट जोड़कर 04 क्रेडिट का किया गया।)

बी.वोक. (अभिनय एवं मंच विन्यास)
सत्र 2017-18, तृतीय वर्ष
<u>पंचम छमाही</u>
प्रश्नपत्र – 1. अभिनय के सिद्धांत एवं प्रयोग (6 क्रेडिट)

- पाश्चात्य अभिनय पद्धतियां
- स्तानिलावस्की
- ब्रेख्त
- यूजिनों बार्बा
- आर्तो
- मेयरहोल्ड

- ग्रोतोवस्की
- पारसी रंगमंच की अभिनय पद्धति का अध्ययन एवं अभ्यास
- लोक रंगमंच की अभिनय पद्धति का अध्ययन एवं अभ्यास

प्रश्नपत्र – 2. कला प्रशासन एवं प्रबंधन (4 क्रेडिट)

- कला प्रशासन एवं प्रबंधन की अवधारणा एवं स्वरूप
- प्रमुख कला संस्थानों की स्थापना, उद्देश्य और संरचना
- कला प्रशासन तथा प्रबंधक का व्यक्तित्व शिक्षा तथा दायित्व
- कला के क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तित्व (सभी भारत रत्न)

प्रश्नपत्र – 3. मंच विन्यास तथा प्रयोग (6 क्रेडिट)

- संस्कृत रंगमंच के लिए मंचविन्यास का अध्ययन एवं अभ्यास
- पारसी रंग मंच के लिए मंच विन्यास
- पारंपारिक रंगमंच के लिए मंच विन्यास का अध्ययन एवं अभ्यास
- आधुनिक भारतीय रंगमंच के चयनित नाटकों का मंच विन्यास का अध्ययन एवं अभ्यास (अंधायुग/तुगलक/ घासीराम कोतवाल/ चक्रव्यूह/ कल्लोल/ गुडिया घर/अंधा युग/चरणदास चोर)

प्रश्नपत्र – 4. नाट्य प्रदर्शन (व्यवहारिक) (6 क्रेडिट)

प्रश्नपत्र – 5. हिंदी भाषा एवं साहित्य (4 क्रेडिट)

- नाट्यकला की प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली
- सिनेमा की प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली
- नाटक और पटकथा आलेख का संरचनागत अध्ययन
- कहानी का रंगमंच - पाँच कहानियाँ (संबंधित शिक्षक द्वारा चयनित)
- कविता का रंगमंच - पाँच कवितायें (संबंधित शिक्षक द्वारा चयनित)

प्रश्नपत्र – 5. चयनित विषय-जनसंपर्क (4 क्रेडिट)

(क्रेडिट समायोजन एवं आंशिक संशोधन – द्वितीय प्रश्नपत्र कला प्रशासन एवं प्रबंधन 06 क्रेडिट के स्थान पर 04 क्रेडिट का तथा पंचम प्रश्नपत्र की पाठ्यचर्या में आंशिक संशोधन किया गया।

निर्णय : अनुमोदित

बी.वोक. (फ़िल्म निर्माण)
सत्र 2017-18 द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर

साहित्य एवं भाषा शिक्षण

- बोली और भाषा में अंतर एवं संबंध
- राजभाषा और राष्ट्रभाषा का स्वरूप और परिचय
- हिंदी साहित्य: रीतिकाल तथा आधुनिक कालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (छायावाद युग एक)
- हिंदी साहित्य की आधुनिक गद्यविधाओं का संक्षिप्त परिचय

बी.वोक. (फ़िल्म निर्माण)
सत्र 2017-18 तृतीय वर्ष
पंचम सेमेस्टर
साहित्य एवं भाषा शिक्षण

- नाट्यकला की प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली
- सिनेमा की प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली
- नाटक और पटकथा आलेख का संरचनागत अध्ययन
- प्रमुख साहित्य कृतियों पर बनी पाँच फ़िल्मों का अध्ययन (संबंधित शिक्षक द्वारा चयनित)

निर्णय : अनुमोदित
मद संख्या -4 . एम .फिल .शोधार्थियों के शोध विषय तथा शोध निदेशक का निर्धारण

दिनांक : 27 /10/2020 को दोपहर 3 बजे शाम संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार की अध्यक्षयता में एम. फिल. शोधार्थीयों के शोध विषय के निर्धारण हेतु ऑन लाइन बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में विभाग के सभी शोध निर्देशक उपस्थित थे। शोधार्थियों ने ऑनलाइन शोध- सार प्रस्तुत किया। शोधार्थियों द्वारा प्रस्तुत शोध सार पर विचार विमर्श के उपरांत शोध विषय तथा शोध निदेशक के नाम अनुशंसा हेतु प्रस्तावित है-

क्र.सं.	शोधार्थी	प्रस्तावित शोध विषय	शोध निर्देशक
1.	विष्णु कुमार	हिन्दी रंगमंच के विकास में दिल्ली आर्ट थियेटर का योगदान	डॉ. सतीश पावड़े
2.	सुनील कुमार गावस्कर	पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्रचलित 'जांघिया नाच' का अध्ययन	डॉ. विधु खरे दास
3.	निर्भय कुमार त्रिगुण	बिहार के कलाजीवी समुदायों के प्रदर्शनकारी कलारूपों का अध्ययन	डॉ.ओम प्रकाश भारती
4.	राकेश कुमार	रामकथा पर आधारित मिथिला के लोकनाट्यों का अध्ययन और विश्लेषण	डॉ.ओम प्रकाश भारती

निर्णय : अनुमोदित

मद संख्या -5 पीएच .डी .शोधार्थियों के शोध विषय तथा शोध निदेशक का निर्धारण

30/10

दिनांक : 27 /10/2020 04:00 बजे शाम संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार की अध्यक्षता में पीएच.डी. शोधार्थीयों का प्री-रजिस्ट्रेशन सेमिनार हेतु ऑन लाइन बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में विभाग के सभी शोध निर्देशक उपस्थित थे। शोधार्थियों ने ऑनलाइन शोध- सार प्रस्तुत किया। शोधार्थियों द्वारा प्रस्तुत शोध सार पर विचार विमर्श के उपरांत शोध विषय तथा शोध निदेशक के नाम अनुशंसा हेतु प्रस्तावित है-

क्र.सं.	शोधार्थी	प्रस्तावित शोध विषय	शोध निर्देशक
1.	विक्रम कुमार सिंह	बिहार की पृष्ठभूमि पर निर्मित हिन्दी फिल्मों का कथ्यगत और शिल्पगत अध्ययन : विशेष संदर्भ प्रकाश झा	डॉ. विधु खरे दास
2.	बृजेश कुमार यादव	शिक्षण माध्यम के रूप में रंगमंच : विशेष संदर्भ CCRT और अन्य संस्थाएं	डॉ. सतीश पावड़े
3.	सुनील कुमार	शैलीवद्ध अभिनय के परिपेक्ष्य में एच. कन्हाईलाल तथा एच. सावित्री देवी के नाट्य प्रयोग : अध्ययन एवं विश्लेषण	डॉ.ओम प्रकाश भारती
4.	भाग्यश्री सुरेश राऊत	पुतुल नाट्य का जनसंचार तथा बाल शिक्षण में उपयोग और संभावनाएं: विशेष संदर्भ महाराष्ट्र के पारंपरिक तथा समकालीन पुतुल नाट्य	डॉ.ओम प्रकाश भारती
5.	सुप्रीत मिश्रा	वैष्णव नाट्य परंपरा की सांगीतिक पद्धति का विश्लेषणात्मक अध्ययन: अंकिया नाट एवं कीर्तनिया के विशेष सन्दर्भ में	डॉ.ओम प्रकाश भारती

निर्णय : अनुमोदित

मद सं. 06. पीएच.डी शोधार्थी (सत्र 2017-18) श्री कृष्ण मोहन की डी- रजिस्ट्रेशन के संबंध में।

श्री कृष्ण मोहन पीएचडी शोधार्थी से प्राप्त आवेदन के अनुसार डी-रजिस्ट्रेशन की अनुमति।

निर्णय : अनुमोदित

मद. सं. 07 . विभागीय शोध मॉनीटरिंग समिति (DMRC) के रिपोर्ट पर संज्ञानार्थ प्रस्तुत।

निर्णय : संज्ञान लिया गया।

अध्ययन मंडल की बैठक में सभी सदस्य ऑन लाइन सम्मिलित हुए एवं सभी सदस्यों द्वारा उपर्युक्त निर्णय पर सहमति प्रदान की गयी। बैठक अध्यक्ष के द्वारा धन्यवाद के साथ सम्पन्न हुई।

प्रो. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी (बाह्य विशेषज्ञ)

श्री सुदिप्तो आचार्य (बाह्य विशेषज्ञ)

डॉ. ओम प्रकाश भारती (सदस्य)

डॉ. सतीश पावड़े 30/10 (सदस्य)

डॉ. विधु खरे दास 30-10-2020 (विशेष आमंत्रित सदस्य)

श्री यशार्थ मंजुल (विशेष आमंत्रितसदस्य)

डॉ.अभिषेक त्रिपाठी (भूतपूर्व विद्यार्थी)

प्रो. अवधेश कुमार 30/10/2020 (अध्यक्ष)

प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म और नाटक) विभाग
ऑनलाइन बैठक का कार्यवृत्त

प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं थियेटर) में दिनांक 31.08.2020 को 11:30 बजे से विभागाध्यक्ष के संयोजन में एक ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभागीय अध्यापक डॉ. ओमप्रकाश भारती, डॉ. सतीश पावडे, डॉ. विधु खरे दास एवं प्रो. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी उपस्थित थे। प्रस्तुत बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिये गये –

1. बी.वोक.(अभिनय एवं मंच विन्यास) पाठ्यक्रम के तृतीय सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र 'हिंदी भाषा एवं साहित्य' (02 क्रेडिट) तथा बी.वोक.(फ़िल्म निर्माण) पाठ्यक्रम के तृतीय सेमेस्टर के षष्ठ प्रश्नपत्र 'साहित्य एवं भाषा शिक्षण'(04 क्रेडिट) में समान पाठ्यचर्या निर्धारित है किंतु दोनों प्रश्नपत्रों के लिए अलग-अलग क्रेडिट निर्धारित किये गये थे। इस विसंगति को दूर करने के लिए प्रो. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी के परामर्श से समिति द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि बी.वोक.(अभिनय एवं मंच विन्यास) पाठ्यक्रम के तृतीय सेमेस्टर के दूसरे प्रश्नपत्र 'वस्त्र विन्यास' को 06 क्रेडिट के स्थान पर 04 क्रेडिट का कर दिया जाय और 'हिंदी भाषा एवं साहित्य शिक्षण' पंचम प्रश्नपत्र में 02 क्रेडिट जोड दिये जाएं। इस प्रकार बी.वोक. (अभिनय एवं मंच विन्यास) एवं बी.वोक. (फ़िल्म निर्माण) दोनों पाठ्यक्रमों के तीसरे सेमेस्टर के क्रमश: पंचम तथा षष्ठ प्रश्नपत्रों के लिए समान क्रेडिट का समायोजन किया गया।

2. बी. वोक. (अभिनय एवं मंच विन्यास) पाठ्यक्रम के पंचम सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र 'हिंदी भाषा एवं साहित्य' (02 क्रेडिट) तथा बी.वोक. (फ़िल्म निर्माण) पंचम सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र 'साहित्य एवं भाषा शिक्षण' (04 क्रेडिट) की पाठ्यचर्या में सर्व सम्मति से आंशिक संशोधन एवं क्रेडिट समायोजन किया गया। बी.वोक. (अभिनय एवं मंच विन्यास) पाठ्यक्रम के पंचम सेमेस्टर के दूसरे प्रश्नपत्र 'कला प्रशासन और प्रबंधन' को 06 क्रेडिट के स्थान पर 04 क्रेडिट का किये जाने तथा पंचम प्रश्नपत्र 'हिंदी भाषा एवं साहित्य' में 02 क्रेडिट जोड़े जाने का निर्णय लिया गया। समिति द्वारा सर्व सम्मति से लिए गए निर्णय के अनुसार बी.वोक.(अभिनय एवं मंच विन्यास) पाठ्यक्रम के पंचम सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र 'हिंदी भाषा एवं साहित्य' (04 क्रेडिट) की आंशिक संशोधित पाठ्यचर्या निम्न प्रकार होगी –

- नाट्यकला की प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली
- सिनेमा की प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली
- नाटक और पटकथा आलेख का संरचनागत अध्ययन
- कहानी का रंगमंच - पाँच कहानियाँ (संबंधित शिक्षक द्वारा चयनित)
- कविता का रंगमंच - पाँच कवितायें (संबंधित शिक्षक द्वारा चयनित)

समिति ने सर्व सम्मति से निर्णय लिया कि बी.वोक.(फ़िल्म निर्माण) के पंचम सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र ‘साहित्य एवं भाषा शिक्षण’ (04 क्रेडिट) में आंशिक संशोधित पाठ्यचर्या निम्न प्रकार होगी -

- नाट्यकला की प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली
- सिनेमा की प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली
- नाटक और पटकथा आलेख का संरचनागत अध्ययन
- प्रमुख साहित्यिक कृतियों पर बनी पाँच फ़िल्मों का अध्ययन (संबंधित शिक्षक द्वारा चयनित)

विभागाध्यक्ष द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ बैठक समाप्त हुई।

31.08.2020

(विभागाध्यक्ष)

प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं थियेटर) विभाग के अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त

प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं थियेटर) विभाग की विभागीय अध्ययन मंडल (Board of Studies) की बैठक दिनांक 26/09/2019 को अपराह्न 12:30 बजे विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ. ओम प्रकाश भारती की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए -

- डॉ. ओमप्रकाश भारती, प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) विभाग : अध्यक्ष
- डॉ. अखिलेश दास, मुंबई : बाह्य विशेषज्ञ
- डॉ. सतीश पावड़े : विभागीय सदस्य
- डॉ. विधु खरे दास : विभागीय सदस्य
- श्री राकेश मंजुल : आमंत्रित विशेषज्ञ

बैठक में लिए गए निर्णय

मद संख्या-1. एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय छमाही के क्रेडिट में परिवर्तन तथा अतिरिक्त क्रेडिट के अनुसार पाठ्यक्रम का निर्धारण।
एम.ए. के लिए दो वर्षीय (04 छमाही) क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम संचालित है, जिसमें प्रत्येक छमाही में 14 क्रेडिट विभाग द्वारा तथा 06 क्रेडिट दूसरे संकायों से पढ़ना होता है। उक्त नियमों में संशोधन करते हुए विश्वविद्यालय ने 20 क्रेडिट का पाठ्यक्रम विभाग द्वारा संचालित करने हेतु निर्देशित किया है। क्रेडिट का समायोजन करते हुए 02 क्रेडिट का पाठ्यक्रम अनुमोदन हेतु प्रस्तुत है। (प्रपत्र: क 1,2 संलग्न)

निर्णय : अनुमोदित

मद सख्या-2. एम.फिल. तथा पीएच.डी. स्तर पर शोध कार्य की गुणवत्ता के निर्धारण तथा शोध सत्यनिष्ठा (प्लैगरिजम) एवं साहित्यिक चोरी के रोक-थाम हेतु विभागीय स्तर पर पाठ्यक्रम का संचालन तथा एम.ए. अंतर अनुशासनिक पाठ्यक्रम की स्वीकृति हेतु प्रस्तावित रूपरेखा। (प्रपत्र: ख 1,2 संलग्न)

निर्णय : 1. प्रपत्र ख 1 -अनुमोदित
2. प्रपत्र ख 2- एम.ए. अंतर-अनुशासनिक 06 क्रेडिट पाठ्यक्रम हेतु 'भारतीय कला एवं सौंदर्य' विषय अनुमोदित

मद संख्या- 3. एम.फिल.शोधार्थी सताक्षी मिश्रा के शोध विषय का निर्धारण तथा शोध निर्देशक का आवंटन (प्रपत्र: ग संलग्न)
निर्णय : 1. शोध का विषय 'नौटंकी के स्वरूप एवं शैली का अध्ययन और विश्लेषण' अनुमोदित
2. शोध निर्देशक- डॉ. सतीश पावडे अनुमोदित

मद संख्या- 4. विभाग के नामकरण से संबंधित संशोधन।
निर्णय : नाट्य एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग (Department of Theatre and Film Studies) अनुमोदित

26/09/2019 Akhilesh Das 26/9/19 Vidhu 26.9.19 26-9-19

मद संख्या- 5. विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का नवीकरण तथा निर्माण।

निर्णय – आवश्कतानुसार आंशिक संशोधन हेतु अनुमोदित

विभाग द्वारा संचालित एम.ए.प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं थियेटर) के पाठ्यक्रमों का अवलोकन करते हुए सदस्यों ने निम्नलिखित दो पाठ्यक्रमों के संचालन की अनुशंसा की।

1. एम. ए. (नाट्य)
2. एम.ए. (फ़िल्म अध्ययन)

उपरोक्त पाठ्यक्रमों का प्रारूप विभाग द्वारा तैयार किए जाने की अनुशंसा भी की गई।

26/09/2019

डॉ. ओम प्रकाश भारती
(विभागीय अध्ययन मंडल के अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष)

Akhilesh Das 26/9/19

श्री अखिलेश दास
(बाह्य विशेषज्ञ)

26/9/2019

श्री राकेश मंजुल
(आमंत्रित विशेषज्ञ)

Vidhu 26.09.19

डॉ. विधु खरे दास
(विभागीय सदस्य)

डॉ. सतीश पावड़े
(विभागीय सदस्य)

प्रदर्शनकारी कला विभाग (फ़िल्म एवं थियेटर) के अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त

प्रदर्शनकारी कला विभाग (फिल्म एवं थियेटर) की विभागीय अध्ययन मंडल (Board of Studies) की बैठक दिनांक 08/10/2018 को अपराह्न 5 बजे अधिष्ठाता कक्ष में अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ प्रो. प्रीति सागर की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

- **बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए :**

1. प्रो. प्रीति सागर (अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ) : अध्यक्ष
2. डॉ. सतीश पावड़े : विभागीय सदस्य एवं प्रभारी अध्यक्ष
3. श्री अखिलेश दास, मुंबई : बाह्य विशेषज्ञ

- **बैठक में निम्नलिखित विभागीय अध्ययन मंडल के सदस्य अनुपस्थित थे :**

1. डॉ. विधु खरे दास (विभागीय सदस्य)
2. डॉ. योगेन्द्र चौबे, ग्वालियर (बाह्य विशेषज्ञ)
3. डॉ. राकेश प्रकाश, नई दिल्ली (पूर्व छात्र प्रतिनिधि)

- **मा. कुलपति महोदय द्वारा नामित सदस्य**

1. श्री यशराज जाधव (मा. कुलपति महोदय द्वारा नामित विशेष आमंत्रित विषय विशेषज्ञ)
2. श्री कमल स्वरूप (मा. कुलपति महोदय द्वारा नामित विशेष आमंत्रित विषय विशेषज्ञ)
3. श्री राकेश मंजुल (मा. कुलपति महोदय द्वारा नामित विशेष आमंत्रित सदस्य)
4. डॉ. मोहम्मद काज़िम (मा. कुलपति महोदय द्वारा नामित विशेष आमंत्रित सदस्य)

- **मा. कुलपति महोदय के अनुमति से आमंत्रित विभागीय अतिथि अध्यापक**

1. डॉ. सुरभि विप्लव
2. डॉ. अश्विनी कुमार सिंह
3. डॉ. अविचल गौतम
4. श्री अभिषेक सिंह
5. श्री ग्यासुद्दीन अहमद खां

मद संख्या-1. पाठ्यक्रमों में नवीकरण तथा संशोधन।

निर्णय:

- ***बी.वोक. (फ़िल्म निर्माण) प्रथम छमाही, द्वितीय छमाही, तृतीय छमाही, चतुर्थ छमाही, पंचम छमाही एवं षष्ठम छमाही***

- *बी.वोक. (अभिनय एवं मंच विन्यास) प्रथम छमाही, द्वितीय छमाही, तृतीय छमाही, चतुर्थ छमाही, पंचम छमाही एवं षष्ठम छमाही*
- *एम.ए.(फ़िल्म एवं थियेटर) प्रथम छमाही, द्वितीय छमाही, तृतीय छमाही, चतुर्थ छमाही*
- *एम.फिल.(फ़िल्म एवं थियेटर) प्रथम छमाही, द्वितीय छमाही, तृतीय छमाही चतुर्थ छमाही*

के संपूर्ण पाठ्यक्रम का नवीनीकरण एवं संशोधन किया गया। सभी सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया।

8.10.18

प्रो. प्रीति सागर

(अध्यक्ष, विभागीय अध्ययन मंडल एवं अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ)

8/10/18

डॉ. सतीश पावड़े

(विभागीय सदस्य एवं प्रभारी अध्यक्ष)

Akhilesh Das 8/10/18

श्री अखिलेश दास

(बाह्य विशेषज्ञ)

श्री यशराज जाधव

(विशेष आमंत्रित विषय विशेषज्ञ)

Kamal Swarup 8/10/18

श्री कमल स्वरूप

(विशेष आमंत्रित विषय विशेषज्ञ)

श्री राकेश मंजुल

(विशेष आमंत्रित सदस्य)

डॉ. मोहम्मद काज़िम

(विशेष आमंत्रित सदस्य)

डॉ. सुरभि विप्लव

(आमंत्रित अतिथि अध्यापक)

अश्विनी कुमार सिंह

डॉ. अश्विनी कुमार सिंह

(आमंत्रित अतिथि अध्यापक)

डॉ. अविचल गौतम

(आमंत्रित अतिथि अध्यापक)

अभिषेक सिंह 8/10/18

श्री अभिषेक सिंह

(आमंत्रित अतिथि अध्यापक)

8/10/2018

श्री ग्यासुद्दीन अहमद खां

(आमंत्रित अतिथि अध्यापक)

OK

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद व्दारा पारित अधिनियम 1997,क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) विभाग

Department of Performing arts (Film and Theatre)

प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) विभाग, साहित्य विद्यापीठ के विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक का

कार्यवृत्त

दिनांक: 11/05/2017

प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म और नाटक) विभाग के विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक अध्यक्ष, प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) विभाग की अध्यक्षता में दिनांक 11/05/2017 को पूर्वाह्न 11:00 बजे आयोजित की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए -

- डॉ. सतीश पावड़े. प्रभारी अध्यक्ष, प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म और नाटक) विभाग : अध्यक्ष
- श्री योगेश्वर गंधे,पुणे : बाह्य विशेषज्ञ
- डॉ. जयंत शेवतेकर, औरंगाबाद : बाह्य विशेषज्ञ
- श्री जैनेन्द्र कुमार दोस्त, नई दिल्ली (पूर्व छात्र प्रतिनिधि) : सदस्य

बैठक का कार्यवृत्त

मद संख्या-1. पाठ्यक्रम के नाम में परिवर्तन कर उसे एम. ए. के बजाए मास्टर ऑफ़ परफोर्मिंग आर्ट्स (फिल्म एंड थिएटर) किया जाए।

निर्णय: *अनुमोदित।*

यह निर्णय यु .जी. सी. मॉडल करिक्युलम फॉर परफोर्मिंग आर्ट्स, २००१ में वर्णित प्रारूप के अनुसार लिया जाता है। विदित हो कि वर्तमान में विभाग तथा पाठ्यक्रम का नाम भी प्रदर्शनकारी कला (परफोर्मिंग आर्ट्स)है। इसलिए उपरोक्त निर्णय उचित है।

मद संख्या-2. विभाग के नाम में परिवर्तन करना।

निर्णय : *अनुमोदित।*

वर्तमान में विभाग का नाम प्रदर्शनकारी कला विभाग (फिल्म एवं नाटक) है। जिसमें परिवर्तन करके उसका नाम प्रदर्शनकारी कला विभाग (फिल्म एवं रंगमंच) किया जाए। विभाग का स्वरूप पाठ्यक्रम आदि को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया गया हैं।

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442005 (महाराष्ट्र) भारत

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद व्दारा पारित अधिनियम 1997,क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) विभाग
Department of Performing arts (Film and Theatre)

मद संख्या-3 . पाठ्यक्रम संशोधन/ पुनर्रचना करना।

निर्णय : **अनुमोदित।**

2012 के पश्चात विभाग के वर्तमान पाठ्यक्रम की पूनर्रचना नही की गई है। अत: वि.वि. अनुदान आयोग के निर्देशानुसार विभाग के सभी वर्तमान पाठ्यक्रम की पुनर्रचना की जायेंगी। सभी पाठ्यक्रम व्यवहारिक (Practical) तथ रोजगारपरक (Employment Oriented) बनाएं जाए। इन पाठ्यक्रमों की अपेक्षित पुनर्रचना हेतू विषय विशेषज्ञों की एक कार्यशाला का अविलंब आयोजन किया जाए।

मद संख्या-4 . विभाग के सभी पाठ्यक्रम 60 प्रतिशत व्यवहारिक, कौशल विकास शिक्षा तथा रोजगार परक तथा 40 प्रतिशत सैद्धांतिक बनाना .

निर्णय : **अनुमोदित।**

विभाग के सभी पाठ्यक्रम 60 प्रतिशत व्यावहारिक तथा 40 प्रतिशत सैद्धांतिक बनाया जाए । 60 प्रतिशत व्यवहारिक पाठ्यक्रम बनाने से वह अधिक रोजगारपरक बनेगा ।

मद संख्या-5 . चतुर्थ छमाही के प्रश्नपत्र तृतीय के नाम में परिवर्तन करना।

निर्णय : **अनुमोदित।**

वर्तमान में चतुर्थ छमाही के प्रश्नपत्र तृतीय का नाम 'परियोजन कार्य' है। जिसमें परिवर्तन कर ' क्षेत्रीय परियोजना कार्य' (Research oriented project work in specific field) किया जाए।

मद संख्या-6 . कौशल विकास शिक्षा एवं रोजगार परक डिप्लोमा 1. अभिनय 2. अनुप्रयोगात्मक (अप्लायड राइटिंग) शुरू करना.

निर्णय : **अनुमोदित।**

विभाग मे निम्नलिखित दो रोजगारपरक सांध्यकालीन पाठ्यक्रम शुरू किए जाए.

1) 'अभिनय' में डिप्लोमा (एक वर्षीय – दो छमाही , प्रवेश पात्रता 12 वीं उत्तीर्ण.)

2) 'अनुप्रयोगात्मक लेखन' (अप्लायड राइटिंग) में डिप्लोमा (एक वर्षीय – दो छमाही , प्रवेश पात्रता 12 वीं उत्तीर्ण.) यह पाठ्यक्रम भी 60 प्रतिशत व्यावहारिक तथा 40 प्रतिशत सैद्धांतिक होगा।

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442005 (महाराष्ट्र) भारत
Post : Hindi Vishwavidyalaya, Gandhi Hill, Wardha – 442005 (Maharashtra), INDIA

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद व्दारा पारित अधिनियम 1997,क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) विभाग
Department of Performing arts (Film and Theatre)

मद संख्या-7. 'लिएन' पर गए विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ओमप्रकाश भारती के शोध निर्देशन के संबंध में निर्णय लेना।

निर्णय : अनुमोदित।

विभाग के असोसिएट प्रोफेसर डॉ. ओमप्रकाश भारती 'लिएन' पर है । जिनके अधीनस्थ तीन शोधार्थी है। इस प्रकरण को मा. अधिष्ठाता महोदय के माध्यम से निर्देशार्थ मा. सक्षम पदाधिकारी को भेजा जाए।

मद संख्या-8. विभाग के पूर्वाध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा (सेवा निवृत्त) के अधीनस्थ पीएच.डी. शोधार्थी के शोध निर्देशक संबंधी निर्णय लेना।

निर्णय : अनुमोदित।

पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा (सेवा निवृत्त) के अधीनस्थ पीएच.डी. शोधार्थी के संबंध में निर्णय लेने हेतु प्रकरण मा. अधिष्ठाता महोदय के माध्यम से निर्देशार्थ मा. सक्षम पदाधिकारी को भेजा जाए।

मद संख्या-9. एम.फिल. के छात्रों के शोध निर्देशक आवंटन एवं विषय से संबंधित निर्णय लेना।

निर्णय : अनुमोदित।

एम. फिल (तृतीय छमाही) के छात्रों द्वारा तय शोध विषय को स्वीकृति प्रदान की गई तथा शोध निर्देशक संबंधी निर्णय लेने हेतु प्रस्ताव मा. अधिष्ठाता महोदय के माध्यम से निर्देशार्थ मा.सक्षम पदाधिकारी को भेजा जाए।

मद संख्या-10. आय.एस.टी.आर. तथा वि.वि. के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करना।

निर्णय : अनुमोदित।

विभाग द्वारा विश्वविद्यालय तथा इंडियन सोसायटी थिएटर रिसर्च (इंडियन चैप्टर) के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन जनवरी,2018 में करने का निर्णय लिया गया। (जिसके लिए मा.सक्षम पदाधिकारी से अकादमिक तथा वित्तीय स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है ।)

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा – 442005 (महाराष्ट्र) भारत
Post : Hindi Vishwavidyalaya, Gandhi Hill, Wardha – 442005 (Maharashtra), INDIA

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद व्दारा पारित अधिनियम 1997,क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं नाटक) विभाग
Department of Performing arts (Film and Theatre)

मद संख्या-11. विभाग की और से मुद्रित 'शोध पत्रिका' प्रकाशित करना।

निर्णय : *अनुमोदित।*

विभाग की ओर से एक प्रदर्शनकारी कलाओं पर आधारित (ISSN) मुद्रित शोध पत्रिका (त्रैमासिक) प्रकाशित की जाए। जिसके लिए उचित प्रस्ताव वित्तीय मान्यता के लिए (अर्थ प्रबंधन तथा प्रकाशन संबधी)विभाग द्वारा सक्षम प्रधिकारी को भेजा जाए।

मद संख्या-12. बी.वोक. के छात्र शुभम गिर्हे को बी.वोक . का डिप्लोमा प्रमाण पत्र प्रदान करना।

निर्णय : *अनुमोदित।*

छात्र शुभम गिर्हे ने बी.वोक. के अंतर्गत एक वर्ष का पाठ्यक्रम पूर्ण किया है अत: उन्हें यु .जी. सी. के संबंधित निर्देशानुसार डिप्लोमा प्रमाण पत्र प्रदान किया जा सकता है। इससे संबंधित प्रस्ताव मा. अधिष्ठाता महोदय के माध्यम से परीक्षा विभाग को भेजा जाए।

मद संख्या-13. देश विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों के साथ अनुबंध करना।

निर्णय : *अनुमोदित।*

श्री योगेश्वर गंधे, पुणे
(बाह्य विशेषज्ञ)

डॉ. जयंत शेवतेकर
(बाह्य विशेषज्ञ)

श्री जैनेन्द्र कुमार दोस्त
नई दिल्ली (पूर्व छात्र प्रतिनिधि)

डॉ. सतीश पावड़े 11/5/17
(विभागीय अध्ययन मंडल के अध्यक्ष एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष)

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा – 442005 (महाराष्ट्र) भारत
Post : Hindi Vishwavidyalaya, Gandhi Hill, Wardha – 442005 (Maharashtra), INDIA

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya,Wardha
(संसद व्दारा पारित अधिनियम 1997,क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म और नाटक) विभाग
Department of Performing Arts (Film and Theatre)

प्रो. सुरेश शर्मा
Prof. Suresh Sharma
अध्यक्ष : प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म और नाटक) विभाग
Head: Department of Performing Arts (Film and Theatre)

दूरभाष/ Phone : (07152) 252251
मोबाइल/Mobile : 8275410122
पत्रांक : 048/प्र.क.वि./2016/ 2011
दिनांक : 15 /11/2016

प्रति,
संयुक्त कुलसचिव(अकादमिक)
म.गां.अं.हि.वि.,वर्धा

विषय : विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त।

महोदय,

प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग में दिनांक 15 नवंबर 2016 को संपन्न विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त उचित कार्यवाही हेतु प्रेषित किया जा रहा है।

सधन्यवाद।

सुरेशशर्मा
(विभागाध्यक्ष)

प्रतिलिपि : अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ

संलग्न : कार्यवृत्त

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा – 442005 (महाराष्ट्र) भारत
Post : Hindi Vishwavidyalaya, Gandhi Hill, Wardha – 442005 (Maharashtra), INDIA
ईमेल/Email : sureshsarmamedia@gmail.com , Website : www.hindivishwa.org

प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाट्यकला) विभाग

विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक की कार्यसूची

- **प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाट्यकला)विभाग के विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक दिनांक 15/11/2016** को विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कि गई है।

- **अध्ययन मंडल के सदस्य**

  1. श्री योगेश्वर गंधे, पुणे (बाह्य विशेषज्ञ)
  2. श्री जैनेन्द्र कुमार दोस्त, नई दिल्ली (पूर्व छात्र प्रतिनिधि)

  इस बैठक की कार्यसूची निम्नानुसार है।

1. पीएच.डी. सत्र 2012-13 के निम्न शोधार्थियों के शोध लेखन की अवधि उनके प्रवेश तिथि से एक वर्ष तक बढ़ाने की समीक्षा।
   - भगवत प्रसाद पटेल
   - रेणु शर्मा
   - धीरेन्द्र कुमार
   - अश्विनी कुमार सिंह
   - अजय कुमार सरोज
2. पीएच.डी. सत्र 2014-15 के शोधार्थी आदित्य कुमार मिश्रा और पीएच.डी. सत्र 2013-14 की शोधार्थी सुनीता कुमारी थापा के शोध विषय में आंशिक संशोधन की समीक्षा।
3. पीएच.डी. सत्र 2014-15 के शोधार्थी विजय लाल कनौजिया के शोध निर्देशक बदलने के संदर्भ में
4. पीएच.डी सत्र 2015-16 के शोधार्थी नितप्रिया प्रलय और आशीष कुमार के शोध निर्देशक तय होने के संदर्भ में।

क्र.सं.	शोधार्थी का नाम	नामांकन संख्या/दिनांक
1.	आशीष कुमार	2015/07/311/001 दिनांक : 08/07/2015
2.	नितप्रिया प्रलय	2015/07/311/002 दिनांक : 17/08/2015

5. अध्यक्ष की अनुमति से समय पर आनेवाले अन्य विषय।

सुरेश शर्मा
15.11.16

प्रो. सुरेश शर्मा
विभागीय अध्ययन मंडल
अध्यक्ष , प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग

प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म और नाटक) विभाग

विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त

- **प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म और नाटक) विभाग के विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक दिनांक 17/12/2015** को विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में निम्नलिखित सन्माननीय सदस्यगण उपस्थित थे :

  1. डॉ. सतीश पावड़े (असिस्टेंट प्रोफेसर तथा अंतर्गत विशेषज्ञ)

  2. श्री योगेश्वर गंधे, पुणे (फ़िल्म के बाह्य विशेषज्ञ)

  3. डॉ. जयंत शेवतेकर, औरंगाबाद (नाटक के बाह्य विशेषज्ञ)

  4. श्री जैनेन्द्र कुमार दोस्त, नई दिल्ली (पूर्व छात्र प्रतिनिधि)

  बैठक का कार्यवृत्त निम्नानुसार है :

1. सत्र 2014-15, 2015-16 के दौरान विभाग में पठन-पाठन तथा पाठ्यक्रम की समीक्षा की गई।
2. विभाग द्वारा प्रस्तावित विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की गई। आनेवाले सत्र में पाठ्यक्रम से संबंधित विविध कार्यशालाओं के आयोजन की आवश्यकता व्यक्त की गई जिसके कारण छात्रों को प्रदर्शन से संबंधित बेहतर व्यावहारिक ज्ञान, सूचना तथा अनुभव प्राप्त हो सके।
3. सत्र 2016-17 के लिए नए पाठ्यक्रमों तथा पठन-पाठन संबंधी अन्य सुविधाओं के विस्तार हेतु निम्नलिखित नए प्रस्ताव पर चर्चा की गई

- लोक कला, साउंड इंजीनीयरींग, फिल्म संपादन, सिनेमेटोग्राफी, एनिमेशन तथा पटकथा लेखन से संबंधित अल्प अवधि के सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स शुरू करने की आवश्यकता बताई गई।
- प्रस्तावित स्टुडियो निर्माण के कार्य में गुणवत्ता जांचने के लिए फिल्म तथा नाटक के विशेषज्ञ को आमंत्रित किए जाने की आवश्यकता स्पष्ट की गई। जिससे स्टूडियो निर्माण कार्य में उत्पन्न होने वाली तकनीकी बाधाओं को सुलझाया जा सके।
- पीएच.डी. सत्र 2015-16 के शोधार्थी :
  1. आशीष कुमार (नामांकन संख्या 2015/07/311/001 दिनांक : 08/07/2015)
  2. नितप्रिया प्रलय (नामांकन संख्या 2015/07/311/002 दिनांक : 17/08/2015)

  के शोध प्रस्ताव पर विचार किया गया। यह निर्णय लिया गया कि उपरोक्त शोधार्थी अपने शोध के प्रस्ताव को PPT के साथ प्रस्तुत करें। आशीष कुमार के शोध निर्देशक के रूप में प्रो. सुरेश शर्मा तथा नितप्रिया प्रलय के शोध निदेशक के रूप में डॉ. सतीश पावड़े का नाम प्रस्तावित किया गया।

4. पीएच.डी. के विकलांग (सत्र 2014-15) शोधप्रज्ञ विजय लाल कनौजिया के विभाग में संबंधित अनुपस्थित रहने के आवेदन पर चर्चा की गई। नियम के अनुसार इस विषय में UGC तथा विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार कार्यवाही प्रस्तावित की गई।

5. प्रदर्शनकारी पाठ्यक्रम के व्यावहारिक पक्ष को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम को (50 प्रतिशत व्यावहारिक पाठ्यक्रम) बनाने के प्रस्ताव को अनुमोदीत किया गया। इस के पूर्व यह प्रमाण 25 प्रतिशत था।
6. पाठ्यक्रम पर आधारित रंगमंच/नाटक/लोककला से संबंधित राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा फिल्म फेस्टीवल, डाक्यूमेंटरी फिल्म फेस्टीवल के आयोजन की आवश्यकता व्यक्त की गई।
7. विभाग का वर्तमान नाम 'प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग' में संशोधन कर प्रदर्शनकारी कला (फ़िल्म एवं रंगमंच) विभाग Department of Performing Arts (Film & Theatre) यह नाम रखे जाने की आवश्यकता व्यक्त की गई।
8. नाटक, नृत्य तथा संगीत यह प्रदर्शनकारी कलाएं है। इसलिए इस विषयों का समावेश प्रदर्शनकारी कला विद्यापीठ में किया जा सकता है। इस हेतु स्वतंत्र 'प्रदर्शनकारी कला विद्यापीठ' (स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट) के स्थापना की आवश्यकता व्यक्त की गई।
9. एम.फिल. के सत्र 2015-16 के छात्रों के साथ चर्चा कर उन्हें मार्गदर्शन कर उनके शोध विषय तथा शोध निदेशक तय करने के संदर्भ में चर्चा की गई। इस नए छमाही में इस संदर्भ में कार्यवाही करने का तय किया गया।
10. साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत प्रदर्शनकारी कला विभाग से संबंधित वर्तमान स्कूल बोर्ड में बाह्य सदस्य के रूप में फिल्म तथा रंगमंच से संबंधित दो बाह्य विशेषज्ञों को शामिल किए जाने की आवश्यकता व्यक्त की गई।
11. विभाग में फिल्म तथा नाटक से संबंधित संग्रहालय का निर्माण किया जाए, यह सुझाव दिया गया।
12. विभाग में नाटक और फिल्म से संबंधित एक शोध पत्रिका शुरू की जाए , यह भी परामर्श दिया गया।

प्रो. सुरेश शर्मा
अध्यक्ष

डॉ. जयंत शेवतेकर
बाह्य विशेषज्ञ

श्री योगेश्वर गंधे
बाह्य विशेषज्ञ

17/1/2015
डॉ. सतीश पावड़े
अंतर्गत विशेषज्ञ

J. Dost
17/1/2015
श्री जैनेन्द्र कुमार दोस्त
पूर्व छात्र प्रतिनिधि

प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाट्यकला) विभाग के विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक

कार्यवृत्त

- प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाट्यकला) विभाग के विभागीय अध्ययन मंडल की बैठक दिनांक 29/04/2015 को विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई।
- इस बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे :
  1. प्रो. सुरेश शर्मा
  2. डॉ. सतीश पावड़े
  3. डॉ. जयंत शेवतेकर (बाह्य सदस्य)
- सर्वप्रथम सभी नए सदस्यों के लिए स्वागत प्रस्ताव पारित हुआ।
- इस बैठक में पीएच.डी. के जो छात्र मौजूद थे, उनके नाम हैं :
  1. मनीष कुमार जैसल
  2. अशोक कुमार यादव
  3. विजय लाल कन्नौजिया
  4. अभिषेक त्रिपाठी
  5. आदित्य कुमार मिश्रा

  इनके शोध विषयों तथा शोध निर्देशकों के नाम की स्वीकृति दी गई।
- विशेष परिस्थिति में कुमार गौरव मिश्रा के आवेदन पर उनके शोध निर्देशक बदलने के संदर्भ में चर्चा हुई। चर्चा के बाद उनके नए शोध निर्देशक प्रो. सुरेश शर्मा होंगे।
- पीएच.डी. शोध छात्रा सुरभि विप्लव के लिए एक सह-निर्देशक की नियुक्ति के संदर्भ में भी चर्चा हुई। किंतु संबंधित शोध छात्रा द्वारा पीएच.डी. का शोध कार्य करने की अवधि 3 साल पूरी होने जा रही है। इस स्थिति में शोध सह शोध निर्देशक की नियुक्ति नहीं की जा सकती।

प्रो. सुरेश शर्मा	डॉ. जयंत शेवतेकर	डॉ. सतीश पावड़े
विभागाध्यक्ष	बाह्य विशेषज्ञ	विभागीय विशेषज्ञ